Title: Need to set up a Krishi Vigyan Kendra in Damoh district in Madhya Pradesh-Laid.

डॉ.रामकृष्ण कुसमरिया (दमोह) : महोदय, भारतीय किसान, धरती पुत्र, धरती का भगवान, धरती का देवता आज मुसीबत में है। वह डब्लू.टी.ओ., उदारीकरण एवं भूमंडलीकरण, बिजली, पानी, आवागमन की सुविधाओं के अभाव एवं कृषि उपज का लाभकारी मूल्य न मिलने के कारण घाटे की खेती करने के कारण कर्जे में जकड़ गया है एवं खुदकुशी करने को मजबूर हो गया है। आधुनिक युग की अनुसंधान एवं नई तकनीक कृषि विश्वविद्यालय तक सिमट कर रह गई है तथा किसान आज भी प्राचीन खेती करने को मजबूर है।

हम इस विश्वास के साथ अगली शताब्दी में प्रवेश कर रहे हैं कि आधुनिक अनुसंधान का आलोक ग्राम-ग्राम में पहुंचेगा। किसान को उसकी फसल का लाभकारी मूल्य एवं कृषि आधारित ग्रामीण उद्योग स्थापित होंगे। पलायन रुकेगा, कृषि को उद्योग जैसा दर्जा मिलेगा तथा सुविधाएं प्राप्त होंगी। बिजली, पानी की सुविधाएं प्राप्त होंगी एवं किसान को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलेगा। देश के प्रत्येक जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र खुलेगा, इसी श्रंखला में पिछड़े गरीब उद्योग विहीन जिले दमोह में कृषि विज्ञान केन्द्र की मंजूरी मिलेगी।

---

*Treated as laid on the Table of the House.